वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

वाराणसी विकास प्राधिकरण से सम्बन्धित दिनांक 29.11.2024 को वाराणसी शहर में प्रकाशित न्यूज पेपर", अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिंदुस्तान, जनसंदेश टाइम्स, दैनिक जागरण आईनेक्स्ट, राष्ट्रीय सहारा, जनवार्ता, परफेक्ट मिशन ," समाचार पत्र कटिंग का विवरण।

अमर उजाला –दि० 29.11.2024

जिओट्रिक्स सॉफ्टवेयर से तैयार होगा शहर का डिजिटल नक्शा

वाराणसी। शहर में अवैध निर्माण की पहचान और निगरानी के लिए जिओट्रिक्स सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल शुरू किया है। इस सॉफ्टवेयर के जरिये सेटेलाइट इमेज की मदद से शहर के 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के अवैध निर्माणों को चिह्नित किया जाएगा। वीडीए सभागार में वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग की मौजूदगी में विशेषज्ञों ने जोनल अधिकारी और अवर अभियंताओं को प्रशिक्षित किया। उन्होंने सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली और इसकी क्षमताओं को विस्तार से समझाया। वीडीए उपाध्यक्ष के अनुसार नई तकनीक से मिली जानकारी के अनुसार जोनल अधिकारी मौके पर जाएंगे और फोटो खींचकर अपलोड करेंगे। ब्यूरो

रोपवे के दो स्टेशनों के बीच जवाहर मार्केट का होगा पुनर्निर्माण

वाराणसी। रोपवे के दो स्टेशनों के बीच जवाहर मार्केट का पुनर्निर्माण किया जाएगा। बृहस्पतिवार को वीडीए में जवाहर लाल नेहरू व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स के पुनर्निमाण को लेकर बैठक की गई। वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग ने इसके एमओयू की टर्म एंड कंडीशन पर चर्चा की। आगे की कार्रवाई के लिए एनबीसीसी के साथ एमओयू कराने की अनुमति के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। इस भवन के समीप रोपवे के दो स्टेशन भवन हैं। इनमें एक कैंट और दूसरा भारतमाता मंदिर के पास बन रहे रोपवे के स्टेशन हैं। उन्होंने कहा कि री-डेवलपमेंट के लिए एजेंसी को ई-टेंडर के माध्यम से आमंत्रित किया जाएगा। ब्यूरो

दैनिक जागरण–दि० 29.11.2024

वीडीए ने बंजारा स्क्वायर को थमाया नोटिस, करें पार्किंग की व्यवस्था

जागरण संवाददाता, वाराणसी : सिगरा क्षेत्र के फातमान रोड स्थित बंजारा स्क्वायर (मैरिज लान) के शमन मानचित्र में स्टैक पार्किंग दर्शाने और मौके पर कोई प्रगति नहीं होने पर विकास प्राधिकरण ने संचालक को चेतावनी नोटिस जारी किया है। 15 दिन के अंदर पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने बंजारा स्क्वायर मालिक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। साथ ही मैरिज लान को सील कर दिया जाएगा। यह कार्रवाई बुधवार को विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग के स्थलीय निरीक्षण में खामियां मिलने पर हुई। उपाध्यक्ष ने जोनल और अवर अभियंता को मैरिज लान पर नजर रखने का निर्देश दिया है।

बंजारा लान • जागरण

फातमान रोड स्थित हबीबपुरा में बंजारा स्क्वायर के नाम से मैरिज लान अब्दुल कलाम व निजाम अहमद संचालित करते हैं। यहां व्यवस्थित वाहन पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं होने से आए दिन जाम लगता है। हालत यह होती है कि वैवाहिक समेत अन्य कार्यक्रमों के दौरान फातमान रोड से गुजरना मुश्किल हो जाता है। लोग घंटों जाम में फंसते हैं। इसकी शिकायत होने पर वीडीए उपाध्यक्ष ने जोनल अधिकारी सौरभ कुमार को कार्रवाई करने का निर्देश दिया। लान संचालक ने वीडीए से मानचित्र स्वीकृत कराने के साथ वाहन पार्किंग की समुचित व्यवस्था करने का भरोसा दिलाया। उसने दाखिल शमन मानचित्र में दर्शाया कि स्टैक पार्किंग प्रस्तावित है। उपाध्यक्ष को संदेह होने पर निरीक्षण करने पहुंचे तो सच्चाई सामने आ गई। जिस स्थान पर स्टैक पार्किंग प्रस्तावित है वहां संभव नहीं है। फिलहाल वाहन पार्किंग सड़क पर होती है। उन्होंने आवेदन शमन मानचित्र को निरस्त करते हुए संचालक को नोटिस जारी कर कहा है कि 15 दिन के अंदर पार्किंग की व्यवस्था करने के साथ स्टैक पार्किंग का काम उस स्थान पर शुरू कराएं। स्टैक पार्किंग बनने के बाद ही शमन मानचित्र स्वीकार किया जाएगा।

मानचित्र में दर्शाया है 56 वाहन पार्किंग

जोनल अधिकारी सौरभ कुमार ने बताया कि चेतगंज वार्ड के हबीबपुरा में 2780.67 वर्गमीटर मैरिज लान का शमन मानचित्र दाखिल किया गया है। उसमें 56 चार पहिया वाहन पार्किंग दर्शाया गया है लेकिन निरीक्षण के दौरान उस स्थान पर पर्याप्त संख्या में पार्किंग की व्यवस्था नहीं पाई गई।

"मैरिज लान संचालक को नोटिस जारी कर 15 दिन की मोहलत दी गई है। पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने पर लान सील करने का निर्देश दिया गया है। स्टैक पार्किंग बनने के बाद ही शमन मानचित्र स्वीकार किया जाएगा।

-पुलकित गर्ग, उपाध्यक्ष, वीडीए

दैनिक जागरण–दि0 29.11.2024

अवैध निर्माण को पकड़ेगा जियोट्रिक्स साफ्टवेयर

नए जमीन प्लाटिंग पर भी होगी नजर, योजना बनाने में होगी आसानी

जागरण संवाददाता, वाराणसी : विकास प्राधिकरण सीमा क्षेत्र में अवैध निर्माण रोकने को लेकर जियोट्रिक्स साफ्टवेयर से नजर रखी जाएगी। इससे नए निर्माण की पहचान कर भवन स्वामी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इससे शहरी क्षेत्र में 200 वर्ग किलोमीटर तक अवैध निर्माण आसानी से चिह्नित हो सकेंगे। वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में हुई बैठक में सैटेलाइट परिवर्तन साफ्टवेयर के बारे में जोनल अधिकारी और अवर अभियंताओं को जानकारी दी गई। साफ्टवेयर का उपयोग न केवल अवैध निर्माण की पहचान के लिए होगा, बल्कि यह जानकारी भी देगा कि शहर में नए प्लाटिंग कहां-कहां हो रहे हैं। इस तकनीक से नगर नियोजन को नई दिशा मिलेगी।

नगर नियोजक प्रभात कुमार ने बताया कि डिजिटल मैपिंग से पूरे शहर का डिजिटल नक्शा तैयार होगा, जिससे नगर नियोजन में सटीकता बढ़ेगी। नए प्लाटिंग क्षेत्रों की जानकारी से प्राधिकरण नियोजित विकास योजनाएं तैयार कर सकेगा। भविष्य की योजना निर्माण में अहम भूमिका होगी। भूमि उपयोग और आवासीय योजनाओं के लिए बेहतर डेटा उपलब्ध होगा। इससे न केवल अवैध निर्माण पर नियंत्रण होगा, बल्कि शहर का नियोजित विकास भी सुगम होगा। उपाध्यक्ष ने इसे शहर के विकास की दिशा में बड़ा कदम बताया। सुनिश्चित किया कि तकनीक का उपयोग भविष्य की सभी योजनाओं में किया जाएगा, जिससे वाराणसी स्मार्ट व व्यवस्थित शहर की ओर अग्रसर हो सके। जोनल अधिकारी मौके पर जाकर फोटो खींचकर अपलोड करेंगे। इस अवसर पर संयुक्त सचिव परमानंद यादव, आइटी अनुभाग के दिनेश सिंह, जोनल अधिकारी संजीव कुमार थे।

जियोट्रिक्स साफ्टवेयर से कुछ इस तरह दिखता है वीडीए का सीमा क्षेत्र • जागरण

- सैटेलाइट से 200 वर्ग किमी क्षेत्र के अवैध निर्माण हो सकेंगे चिह्नित
- जोनल अधिकारी और अवर अभियंताओं को दिया प्रशिक्षण

दैनिक जागरण–दि0 29.11.2024

एमओयू को लेकर हुई चर्चा जल्द निकलेगा ई-टेंडर

जागरण संवाददाता, वाराणसी : वाराणसी विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में गुरुवार को इंग्लिशिया लाइन स्थित जवाहर लाल नेहरू व्यावसायिक कांप्लेक्स के पुनर्निर्माण के लिए एनबीसीसी के साथ एमओयू को लेकर टर्म एंड कंडीशन पर चर्चा हुई। उपाध्यक्ष ने बताया कि वीडीए ने करीब 50 वर्ष पहले जवाहर लाल नेहरू व्यावसायिक कांप्लेक्स का निर्माण करवाया था। अब इंग्लिशिया लाइन शहर का प्रमुख अंग बन चुका है। नए बहुमंजिली भवन के लिए ई-टेंडर निकाला जाएगा। बैठक में अपर सचिव गुडाकेश शर्मा, एनबीसीसी के महाप्रबंधक अनिल कुमार यादव, नगर नियोजक प्रभात कुमार, अधीक्षण अभियंता अजय पवार आदि मौजूद थे।

हिन्दुस्तान–दि0 29.11.2024

ट्रांसपोर्टनगर में लॉटरी से 73 प्लॉट आवंटित होंगे

- वीडीए मुख्यालय में हुई बैठक में लिया गया आवंटन के लिए निर्णय
- पहले से पंजीकृत ट्रांसपोर्टरों को ही दी जाएगी जमीन

वाराणसी। वीडीए प्रशासन ट्रांसपोर्टनगर में पहले से पंजीकृत ट्रांसपोर्टरों को लॉटरी प्रक्रिया से 73 प्लॉट आवंटित करेगा। यह निर्णय गुरुवार को वीडीए मुख्यालय में हुई बैठक में लिया गया।

वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग ने कहा कि 48.408 हेक्टेयर भूमि में से पहले चरण में 16.02 हेक्टेयर भूमि पर कार्य हो रहा है। वर्ष 2012 में 161 प्लॉटों के आवंटन की प्रक्रिया जारी की गई थी, जिसमें से केवल 73 पंजीकरण हुए थे। ले-आउट प्लान के अनुसार विकसित किये जा रहे प्लॉटों में 80 प्लॉट को आरक्षित करते हुए इन 73 आवेदकों के बीच लॉटरी से आवंटन किया जाएगा। बैठक में अपर सचिव गुडाकेश शर्मा, नगर नियोजक प्रभात कुमार, एक्सईएन अजय पवार, सम्पत्ति प्रभारी आनन्द प्रकाश तिवारी आदि मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान –दि0 29.11.2024

अब सॉफ्टवेयर चिह्नित करेगा अवैध निर्माणों को

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। शहर और गांवों में वीडीए प्रशासन ने जियोट्रिक्स सॉफ्टवेयर से अवैध निर्माण की पहचान और निगरानी शुरू कर दी है। सैटेलाइट इमेज से वीडीए 200 वर्ग किमी क्षेत्र में अवैध निर्माणों को चिह्नित करेगा।

गुरुवार को वीडीए मुख्यालय में उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में सॉफ्टवेयर के विशेषज्ञों के साथ बैठक हुई। जिसमें जोनल अधिकारियों, जेई को प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली और इसकी क्षमताओं को समझाया। विशेषज्ञों ने कहा कि सॉफ्टवेयर का उपयोग न केवल अवैध निर्माण की पहचान के लिए होगा। बल्कि यह जानकारी भी देगा कि शहर में नई प्लॉटिंग कहां-कहां हुई है।

पुलकित गर्ग ने कहा कि डिजिटल मैपिंग से पूरे शहर का नक्शा तैयार होगा। जिससे नगर नियोजन में सटीकता बढ़ेगी और प्लॉटिंग की निगरानी होगी। साथ ही भूमि उपयोग और आवासीय योजनाओं के लिए बेहतर डेटा उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि नई तकनीक से मिली जानकारी के अनुसार जोनल अधिकारी मौके पर जाएंगे और फोटो खींचकर अपलोड करेंगे। इस दौरान संयुक्त सचिव परमानंद यादव, दिनेश सिंह आदि मौजूद रहे।

दैनिक जागरण आईनेक्स्ट–दि0 29.11.2024

जियोट्रिक्स सॉफ्टवेयर के सहारे अवैध निर्माण पकड़ेगा वीडीए

i UPDATE

सैटेलाइट इमेज से 200 वर्ग किमी. क्षेत्र के अवैध निर्माण को करेगा चिह्नित

जियोट्रिक्स सॉफ्टवेयर की ट्रेनिंग के दौरान मौजूद वीडीए वीसी.

VARANASI (28 Nov): वीडीए ने शहर में अवैध निर्माण की पहचान और निगरानी के लिए अत्याधुनिक जिओट्रिक्स सॉफ्टवेयर का उपयोग शुरू किया है. इस सॉफ्टवेयर के जरिए सेटेलाइट इमेज की मदद से शहर के 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में अवैध निर्माणों को चिह्नित किया जाएगा.

एडवांस सैटेलाइट

सॉफ्टवेयर के तकनीकी नेतृत्वकर्ता एडवांस सैटेलाइट परिवर्तन सॉफ्टवेयर द्वारा नियोजित विकास में नई तकनीक के बारे में एक्सपर्ट्स ने जोनल अधिकारियों और अवर अभियंताओं को प्रशिक्षण दिया. उन्होंने सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली और इसकी क्षमताओं को विस्तार से समझाया. सॉफ्टवेयर का उपयोग न केवल अवैध निर्माण की पहचान के लिए होगा, बल्कि यह जानकारी भी देगा कि शहर में नए प्लॉटिंग कहां-कहां हुई है.

फोटो खींचकर अपलोड करेंगे

वीडीए वीसी पुलकित गर्ग ने इसे शहर के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया. प्राधिकरण ने यह भी सुनिश्चित किया कि तकनीक का उपयोग भविष्य की सभी योजनाओं में किया जाएगा. उन्होंने कहा कि नई तकनीक से मिली जानकारी के अनुसार जोनल अफसर मौके पर जाएंगे और फोटो खींचकर अपलोड करेंगे. प्रशिक्षण सत्र में प्राधिकरण के संयुक्त सचिव परमानंद यादव, आईटी अनुभाग के दिनेश सिंह, और अन्य जोनल अधिकारी व अवर अभियंता शामिल रहे.

नई दिशा मिलेगी

इस तकनीक के शामिल होने से वाराणसी में नगर नियोजन को नई दिशा मिलेगी. जिओट्रिक्स सॉफ्टवेयर के माध्यम से निर्माण की समय पर जानकारी मिलने से अवैध निर्माण को रोका जा सकेगा. डिजिटल मैपिंग से पूरे शहर का डिजिटल नक्शा तैयार होगा. प्लॉटिंग पर निगरानी होगी, नए प्लॉटिंग क्षेत्रों की जानकारी से प्राधिकरण नियोजित विकास योजनाएं तैयार कर सकेगा. भविष्य की योजना निर्माण में अहम भूमिका होगी. भूमि उपयोग और आवासीय योजनाओं के लिए बेहतर डेटा उपलब्ध होगा.

परफेक्ट मिशन –दि0 29.11.2024

वीडीए हुआ तेज, अब अवैध निर्माणों को पकड़ेगा जियोट्रिक्स साफ्टवेयर

सैटेलाइट इमेज से 200 वर्ग किमी का क्षेत्र के अवैध निर्माण को करेगा चिहिंत

❑ वीडीए उपाध्यक्ष की मौजूदगी में प्रशिक्षित हुए अधिकारी और कर्मचारी

परफेक्ट मिशन

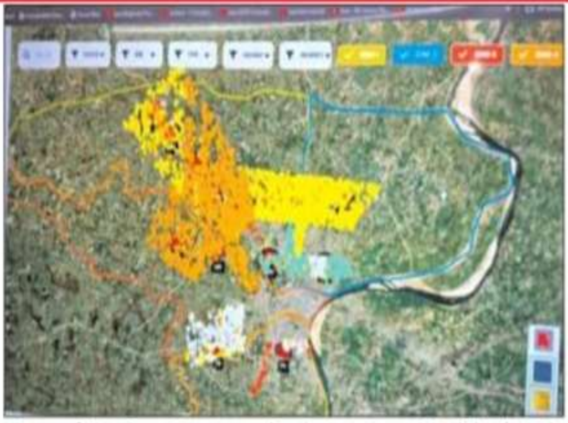

वाराणसी। वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने शहर में अवैध निर्माण की पहचान और निगरानी के लिए अत्याधुनिक जिओट्रिक्स सॉफ्टवेयर का उपयोग शुरू किया है। इस सॉफ्टवेयर के जरिए सेटेलाइट इमेज की मदद से शहर के 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में अवैध निर्माणों को चिन्हित किया जाएगा गुरुवार को प्राधिकरण के सभागार में उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। इसमें सॉफ्टवेयर के तकनीकी नेतृत्वकर्ता एडवांस सैटेलाइट परिवर्तन सॉफ्टवेयर द्वारा नियोजित विकास में नई तकनीक के बारे में एक्सपर्ट्स ने जोनल अधिकारियों और अवर अभियंताओं को प्रशिक्षण दिया।

उन्होंने सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली और इसकी क्षमताओं को विस्तार से समझाया। सॉफ्टवेयर का उपयोग न केवल अवैध निर्माण की पहचान के लिए होगा, बल्कि यह जानकारी भी देगा कि शहर में नए प्लॉटिंग कहां-कहां हुई है। इस तकनीक के शामिल होने से वाराणसी में नगर नियोजन को नई दिशा मिलेगी। जिओट्रिक्स सॉफ्टवेयर के माध्यम से निर्माण की समय पर जानकारी मिलने से अवैध निर्माण को रोका जा सकेगा। डिजिटल मैपिंग से पूरे शहर का डिजिटल नक्शा तैयार होगा, जिससे नगर नियोजन में सटीकता बढ़ेगी और प्लॉटिंग पर निगरानी होगी। नए प्लॉटिंग क्षेत्रों की जानकारी से प्राधिकरण नियोजित विकास योजनाएं तैयार कर सकेगा। भविष्य की योजना निर्माण में अहम भूमिका होगी। भूमि उपयोग और आवासीय योजनाओं के लिए बेहतर डेटा उपलब्ध होगा। जिओट्रिक्स सॉफ्टवेयर की शुरुआत वाराणसी में नगर नियोजन की एक नई पहल है। इससे न केवल अवैध निर्माण पर नियंत्रण होगा, बल्कि शहर का नियोजित विकास भी सुगम होगा।

उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग ने इसे शहर के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। प्राधिकरण ने यह भी सुनिश्चित किया कि तकनीक का उपयोग भविष्य की सभी योजनाओं में किया जाएगा, जिससे वाराणसी स्मार्ट और व्यवस्थित शहर की ओर अग्रसर हो सके। उपाध्यक्ष ने बताया कि नई तकनीक से मिली जानकारी के अनुसार जोनल मौके पर जाएंगे और फोटो खींचकर अपलोड करेंगे। प्रशिक्षण सत्र में प्राधिकरण के संयुक्त सचिव परमानंद यादव, आईटी अनुभाग के दिनेश सिंह, और अन्य जोनल अधिकारी व अवर अभियंता शामिल रहे।

जनवार्ता –दि0 29.11.2024

अब अवैध निर्माणों को पकड़ेगा जियोट्रिक्स साफ्टवेयर

सैटेलाइट इमेज से 200 वर्ग मी का क्षेत्र के अवैध निर्माण को करेगा चिन्हित

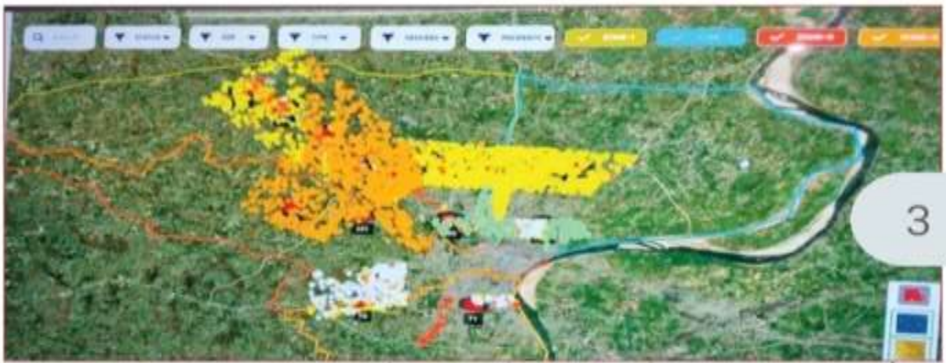

वाराणसी (जनवार्ता)। वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने शहर में अवैध निर्माण की पहचान और निगरानी के लिए अत्याधुनिक जिओट्रिक्स सॉफ्टवेयर का उपयोग शुरू किया है। इस सॉफ्टवेयर के जरिए सैटेलाइट इमेज की मदद से शहर के 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में अवैध निमार्णों को चिन्हित किया जाएगा।

आज प्राधिकरण के सभागार में उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। इसमें सॉफ्टवेयर के तकनीकी नेतृत्वकर्ता एडवांस सैटेलाइट परिवर्तन सॉफ्टवेयर द्वारा नियोजित विकास में नई तकनीक के बारे में एक्सपर्ट्स

ने जोनल अधिकारियों और अवर अभियंताओं को प्रशिक्षण दिया। उन्होंनि

वीडीए उपाध्यक्ष की मौजूदगी में प्रशिक्षित हुए अधिकारी और कर्मचारी

सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली और इसकी क्षमताओं को विस्तार से समझाया। सॉफ्टवेयर का उपयोग न केवल अवैध निर्माण की पहचान के लिए होगा, बल्कि यह जानकारी भी देगा कि शहर में नए प्लॉटिंग कहां-कहां हुई है। इस तकनीक के शामिल होने से वाराणसी में नगर नियोजन को नई दिशा मिलेगी। जिओट्रिक्स सॉफ्टवेयर के माध्यम से निर्माण की समय पर जानकारी मिलने से अवैध निर्माण को रोका जा सकेगा। डिजिटल मैपिंग से पूरे शहर का डिजिटल नक्शा तैयार होगा, जिससे नगर नियोजन में सटीकता बढ़ेगी। प्लॉटिंग पर निगरानी होगी। नए प्लॉटिंग क्षेत्रों की जानकारी से प्राधिकरण नियोजित विकास योजनाएं तैयार कर सकेगा। भविष्य की योजना निर्माण में अहम भूमिका होगी। भूमि उपयोग और आवासीय योजनाओं के लिए बेहतर डेटा उपलब्ध होगा। जिओट्रिक्स सॉफ्टवेयर की शुरूआत वाराणसी में नगर नियोजन की एक नई पहल है। इससे न केवल अवैध निर्माण पर नियंत्रण होगा, बल्कि शहर का नियोजित विकास भी सुगम होगा। उपाध्यक्ष श्री पुलकित गर्ग ने इसे शहर के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। प्राधिकरण ने यह भी सुनिश्चित किया कि तकनीक का उपयोग भविष्य की सभी योजनाओं में किया जाएगा, जिससे वाराणसी स्मार्ट और व्यवस्थित शहर की ओर अग्रसर हो सके। उपध्यक्ष महोदय ने बताया कि नई तकनीक से मिली जानकारी के अनुसार जोनल मौके पर जाएंगे और फोटो खींचकर अपलोड करेंगे।

प्रशिक्षण सत्र में प्राधिकरण के संयुक्त सचिव परमानंद यादव, आईटी अनुभाग के दिनेश सिंह, और अन्य जोनल अधिकारी व अवर अभियंता शामिल रहे।

वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

जनसंदेश टाइम्स–दि0 29.11.2024

गंगा के 200 मीटर के दायरे में भवन मरम्मत-पुनर्निर्माण कराना सुविधाजनक

परिवर्तन

भवन स्वामी जोनल कार्यालयों में जमा कर सकेंगे आवेदन 30 दिन में होगा निस्तारण

वीडीए उपाध्यक्ष ने की बैठक निस्तारण प्रक्रिया में विलंब पर किया बदलाव

वाराणसी। गंगा किनारे 200 मीटर के दायरे में भवन मरम्मत/पुनर्निर्माण कराना अब जहां आसान होगा, वहीं भवनस्वामियों को मुख्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। वीडीए ने शहर के हर जोनों पर सुविधाजनक व्यवस्था बना दी है। इसके लिए भवन स्वामी जोनल कार्यालयों में आवेदन जमा कर सकेंगे। जहां आवेदन के 30 दिन के भीतर पत्रावलियों का निस्तारण कर दिया जाएगा। इसको लेकर वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग ने बुधवार को महाधिवक्ताओं के संग बैठक की और नई व्यवस्था को तत्काल लागू कर इसे सरलीकरण, पारदर्शी और समयबद्ध कराने जाने का सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने गंगा नदी तट राजस्व/ सिंचाई विभाग के अभिलेखों में अंकित से 200 मीटर तक विद्यमान निजी भवनों के मरम्मत/ पुनर्निर्माण के आवेदनों को तत्काल संज्ञान लेने और अगली कार्यवाही करने को कहा है। वीडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि भवन स्वामियों से हेल्पडेस्क के अतिरिक्त जोनल कार्यालयों में सीधे आवेदन जमा कराया जा सकेगा। हेल्पडेस्क पर जमा आवेदनों को तत्काल अगले कार्य दिवस को विभाग द्वारा अनिवार्यरूप से जोनल कार्यालय को प्राप्त कराया जायेगा। उन्होंने पत्रावलियों पर समस्त कार्यवाही और अंतिम निस्तारण की जिम्मेदारी जहां जोनल अधिकारियों की सौंपी है, वहीं इस मामले में लापरवाही किए जाने पर सख्त कारवाई किए जाने की चेतावनी भी दी है।

राष्ट्रीय सहारा–दि0 29.11.2024

अवैध निर्माणों को पकड़ेगा जियोट्रिक्स साफ्टवेयर

वाराणसी(एसएनबी)। वीडीए ने शहर में अवैध निर्माण की पहचान और निगरानी के लिए अत्याधुनिक जियोट्रिक्स सॉफ्टवेयर का उपयोग

सैटेलाइट इमेज से 200 वर्ग किमी के क्षेत्र के अवैध निर्माण को करेगा चिह्नित

वीडीए उपाध्यक्ष की मौजूदगी में अधिकारियों और कर्मचारियों को किया गया प्रशिक्षित

शुरू किया है। इस सॉफ्टवेयर के जरिए सेटेलाइट इमेज की मदद से शहर के 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में अवैध निर्माणों को चिह्नित किया जाएगा। वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को एक बैठक आयोजित की गई। इसमें सॉफ्टवेयर के तकनीकी नेतृत्वकर्ता एडवांस सैटेलाइट परिवर्तन सॉफ्टवेयर द्वारा नियोजित विकास में नई तकनीक के बारे में एक्सपर्ट्स ने जोनल अधिकारियों और अवर अभियंताओं को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली और इसकी क्षमताओं को विस्तार से समझाया।

सॉफ्टवेयर का उपयोग न केवल अवैध निर्माण की पहचान के लिए होगा, बल्कि यह जानकारी भी देगा कि शहर में नए प्लॉटिंग कहां-कहां हुई है। इस तकनीक के शामिल होने से वाराणसी में नगर नियोजन को नई दिशा मिलेगी। जिओट्रिक्स सॉफ्टवेयर के माध्यम से निर्माण की समय पर जानकारी मिलने से अवैध निर्माण को रोका जा सकेगा। डिजिटल मैपिंग से पूरे शहर का डिजिटल नक्शा तैयार होगा, जिससे नगर नियोजन में सटीकता बढ़ेगी। प्लॉटिंग पर निगरानी होगी। नए प्लॉटिंग क्षेत्रों की जानकारी से प्राधिकरण नियोजित विकास योजनाएं तैयार कर सकेगा। भविष्य की योजना निर्माण में अहम भूमिका होगी। भूमि उपयोग और आवासीय योजनाओं के लिए बेहतर डेटा उपलब्ध होगा।

जिओट्रिक्स सॉफ्टवेयर की शुरुआत वाराणसी में नगर नियोजन की एक नई पहल है। इससे न केवल अवैध निर्माण पर नियंत्रण होगा, बल्कि शहर का नियोजित विकास भी सुगम होगा। वीडीए उपाध्यक्ष ने इसे शहर के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। प्राधिकरण ने यह भी सुनिश्चित किया कि तकनीक का उपयोग भविष्य की सभी योजनाओं में किया जाएगा, जिससे वाराणसी स्मार्ट और व्यवस्थित शहर की ओर अग्रसर हो सके। वीडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि नई तकनीक से मिली जानकारी के अनुसार जोनल मौके पर जाएंगे और फोटो खींचकर अपलोड करेंगे। प्रशिक्षण सत्र में प्राधिकरण के संयुक्त सचिव परमानंद यादव, आईटी अनुभाग के दिनेश सिंह, और अन्य जोनल अधिकारी व अवर अभियंता शामिल रहे।

अमर उजाला–दि0 29.11.2024

73 आवेदकों को लॉटरी से मिलेगा भूखंड

वाराणसी। ट्रांसपोर्ट नगर योजना के लिए वीडीए में बृहस्पतिवार को वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग ने बैठक की। इसमें योजना में पहले से पंजीकृत 73 आवेदकों को लॉटरी के माध्यम से भूखंड दिया जाएगा। दूसरे और तीसरे चरण की जमीन ई ऑक्शन से दी जाएगी। बैठक में इस योजना के तहत मोहनसराय में लैप स्कैपिंग, इन्ट्रीगेट, विकास कार्य की प्राथमिकता व गुणवक्ता पर विचार किया गया। ब्यूरो